

---

# Shashthi Vrata Gitam

---

## षष्ठीव्रतगीतम्

---

### Document Information



---

Text title : Shashthi Vrata Gitam

File name : ShaShThIvratagItam.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : chandraguptabhAratIyaH

Acknowledge-Permission: Chandragupta Bharatiya

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



षष्ठीव्रतगीतम्



प्रथमो हि प्रथमः कृतोऽस्मि, षष्ठी हे मातः! व्रतम् ।  
देहि क्षमां मह्यं मातः! अनभिज्ञदोषान् नघान् ।  
अङ्गे स्थितो यो बालोऽस्ति, देहि मातः ममत्वं नेहम् ।  
प्रियस्य मे स्नेहो विश्वह भूयात्, देहि मातश्श्रीयुतं सुखम् ।  
नारिकेलरम्भारवीणाः, सज्जिताः गङ्गातटे ।  
शृणु मम याच्नां हे मातः! संवर्धेत् मे कुलम् ।  
पुण्यः तटस्ते सज्जितोऽस्ति, अम्ब! ते भक्तिश्शुभा ।  
स्वीकुरु मे अर्घं हे मातः! देहि आशीषं सदा ।  
प्रथमो हि प्रथमः कृतोऽस्मि, षष्ठी हे मातः! व्रतम् ।  
देहि क्षमां मह्यं मातः! अनभिज्ञदोषान् नघान् ।

- चन्द्रगुप्तभारतीयः

पहिले पहिले हम कईनी, छठी मईया वरत तोहार ।  
(मगही छठ गीत का संस्कृत अनुवाद)  
चन्द्रगुप्तभारतीयेन कृतः संस्कृतानुवादः

